मां दुर्गा जी के मंत्र

विविध उपद्रवों से बचने के लिए मां दुर्गा की आराधना इस मंत्र का जाप करते हुए करना चाहिए-

रक्षांसि यत्रोग्रविषाश्च नागा यत्रारयो दस्युबलानि यत्र |
दावानलो यत्र तथाब्धिमध्ये तत्र स्थिता त्वं परिपासि विश्वम् ||
Rakshaansi Yatrogravishaashcha Naaga Yatraarayo Dasyubalaani Yatra |
Davaanalo Yatra Tathabdhimadhye Tatra Sthita Tvam Paripaasi Vishvam ||

****

विश्वव्यापी विपत्तियों के नाश के लिए मां दुर्गा की वंदना इस मंत्र के द्वारा करना चाहिए-

देवि प्रपन्नार्तिहरे प्रसीद प्रसीद मातर्जगतोखिलस्य |
प्रसीद विश्वेश्वरि पाहि विश्वं त्वमीश्वरी देवि चराचरस्य ||
Devi Prapannaartihare Praseed Praseed Maatarjgatokhilasya |
Praseed Vishveshvari Paahi Vishvam Tvameeshwaree Devi Characharasya ||

****

महामारी नाश के लिए मां दुर्गा की आराधना इस मंत्र के द्वारा करना चाहिए-

जयन्ती मंगला काली भद्रकाली कपालिनी |
दुर्गा क्षमा शिवा धात्री स्वाहा स्वधा नमोस्तु ते ||
Jayanti Mangla Kaali Bhadrakaali Kapalinee |
Durga Kshama Shiva Dhatri Swaha Svadha Namostu Te ||

****

स्वर्ग और मोक्ष की प्राप्ति के लिए मां दुर्गा की स्तुति इस मंत्र के द्वारा करना चाहिए-

सर्वभूता यदा देवी स्वर्गमुक्तिप्रदायिनी |
त्वं स्तुता स्तुतये का वा भवन्तु परमोक्तयः ||
Sarvbhoota Yada Devi Swargmuktipradaayinee |
Tvam Stutaa Stutaye Ka Va Bhavntu Parmoktayah ||

****

भक्ति प्राप्ति के लिए मां दुर्गा की वंदना इस मंत्र के द्वारा करना चाहिए-

नतेभ्यः सर्वदा भक्त्या चण्डिके दुरितापहे |
रूपं देहि जयं देहि यशो देहि द्विषो जहि ||
Natebhyah Sarvada Bhaktya Chandike Duritaapahe |
Roopam Dehi Jayam Dehi Yasho Dehi Dvisho Jahi ||

****

प्रसन्नता प्राप्ति के लिए मां दुर्गा की आराधना इस मंत्र के द्वारा करना चाहिए-

प्रणतानां प्रसीद त्वं देवि विश्वार्तिहारिणि |
त्रैलोक्यवासिनामीड्ये लोकानां वरदा भव ||
Prantaanaam Praseed Tvam Devi Vishvaartihaarini |
Trailokyavaasinaameedye Lokaanaam Varda Bhav ||

****

जीवन में आरोग्य और सौभाग्य की प्राप्ति के लिए मां दुर्गा की आराधना इस मंत्र से करना चाहिए-

देहि सौभाग्यमारोग्यं देहि मे परमं सुखम् ।
रूपं देहि जयं देहि यशो देहि द्विषो जहि ||
Dehi Saubhagyamaarogyam Dehi Me Paramam Sukham |
Roopam Dehi Jayam Dehi Yasho Dehi Dvisho Jahi ||

****

अपने पापों को मिटाने के लिये इस मन्त्र के द्वारा मां दुर्गा की अराधना करना चाहिए-

हिनस्ति दैत्यतेजांसि स्वनेनापूर्य या जगत् ।
सा घण्टा पातु नो देवि पापेभ्योनः सुतानिव ||
Hinasti Daityatejaansi Svanenaapurya Yaa Jagat |
Saa Ghanta Paatu No Devi Paapebhyonah Sutaaniv ||

****

इस मंत्र के द्वारा विश्व के अशुभ तथा भय का विनाश करने के लिए मां दुर्गा की स्तुति करना चाहिए-

यस्याः प्रभावमतुलं भगवाननन्तो ब्रह्मा हरश्च न हि वक्तमलं बलं च ।
सा चण्डिकाखिलजगत्परिपालनाय नाशाय चाशुभभयस्य मतिं करोतु ||
Yasyah Prabhavmatulam Bhagavaanananto Brahma Harashch Na Hi Vaqtumalam Balam Ch |
Saa Chandikaakhiljagatparipaalanaay Naashaay Chashubhabhayasya Matim Karotu ||

****

सामूहिक कल्याण के लिए मां दुर्गा की वंदना इस मंत्र के द्वारा करना चाहिए-

देव्या यया ततमिदं जग्दात्मशक्त्या निश्शेषदेवगणशक्तिसमूहमूर्त्या |
तामम्बिकामखिलदेव महर्षिपूज्यां भक्त्या नताः स्म विदधातु शुभानि सा नः ||
devya yayaa tatamidam jagdaatmashaktyaa nishsheshadevganshaktisamoohmoortyaa |
Taamambikaamakhildev maharshipoojyaam bhaktyaa nataah sma vidadhaatu shubhani saa nah ||

****